संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

कक्षा	बी.ए. तृतीय वर्ष	
सत्र	2022–2023	
विषय	प्रयोजनमूलक हिंदी	
प्रश्न–पत्र	द्वितीय	
प्रश्न–पत्र का शीर्षक	कंप्यूटर और हिंदी	
अनिवार्य / वैकल्पिक	वैकल्पिक	
अधिकतम अंक	सैध्दांतिक मूल्यांकन	आंतरिक मूल्यांकन
50	40	10

अधिगम (Course Out Come)

1. हिंदी भाषा में कंप्यूटर में कामकाज का ज्ञान एवं अभ्यास
2. हिंदी फॉन्ट के विविध रुपों और उपलब्ध स्रोतों का परिचय
3. विभिन्न संचार माध्यमों में कंप्यूटर द्वारा कार्य पध्दति का ज्ञान
4. देवनागरी लिपि का कंप्यूटर में उपयोग
5. उपर्युक्त आधार पर रोजगार के अवसर

पाठ्यक्रम विवरण

प्रथम इकाई	हिंदी की तकनीकी स्थिति और कम्प्यूटर। कम्प्यूटर और हिन्दी तकनीक। कम्प्यूटरीकरण और हिन्दी की विभिन्न स्थितियाँ, हिन्दी कुजीपटल तथा कम्प्यूटर पर हिन्दी लेखन के साधन (टूल्स)
द्वितीय इकाई	हिन्दी में कम्प्यूटर संबंधी भाषिक अनुप्रयोग, हिन्दी कम्प्यूटर लेखन की विशेषताएँ। डेस्कटॉप पब्लिकेशन और हिन्दी।
तृतीय इकाई	हिन्दी फॉन्ट व हिन्दी वेवसाइट परिचय एवं प्रमुख वेबसाइट के नामोल्लेख। हिन्दी फॉन्ट प्रबंधन, फॉन्ट परिवर्तक इन्टरनेट पर हिन्दी की सविधाएँ एवं प्रयोग क्षेत्र।
चतुर्थ इकाई	कम्प्यूटर पर देवनागरी लिपि में लेखन,प्रक्रिया, युक्तियाँ एवं सावधानियाँ।विविध संचार माध्यमों में हिन्दी के कम्प्यूटरीकृत स्वरूप की अवधारण, मोबाइल उपकरणों में हिन्दी लेखन युक्तियाँ।
पंचम इकाई	कम्प्यूटरीकृत हिन्दी का प्रचार–प्रसार। कम्प्यूटर पर हिन्दी लेखन की समस्याएँ एवं समाधान। कम्प्यूटर पर हिन्दी साहित्य एवं अन्य सामग्री की उपलब्धता का सामान्य परिचय।

सहायक पुस्तकें–

1. प्रयोजन मूलक हिंदी – विनोद गोदरे
2. राजभाषा हिंदी – भोलानाथ तिवारी
3. प्रयोजन मूलक हिंदी – मुश्ताक अली
4. हैलो मीडिया – डॉ. आभा मिश्रा
5. सम्पूर्ण पत्रकारिता – अर्जुन तिवारी
6. प्रयोजन मूलक हिंदी – कैलाश चंद्र भारिया
7. प्रयोजन मूलक हिंदी – दंगल झालटे
8. प्रयोजन मूलक हिंदी का स्वरुप – महाले
9. शासकीय पत्र लेखन – ओमप्रकाश सिंहल
10. कार्यालयीन हिंदी – हरिबाबू बंसल
11. प्रारुपण, टिप्पण एवं प्रूफ पठन – भोलानाथ तिवारी
12. प्रयोजन मूलक हिंदी – डॉ. पुरुषोत्तम बाजपेई
13. अनुवाद चिंतन – डॉ. एस.एन. शर्मा
14. हिंदी पत्रकारिता स्वरुप एवं सन्दर्भ – विनोद गोदरे
15. व्यावसायिक हिंदी – पुष्कर सिंह
16. प्रयोजन मूलक हिंदी – डॉ. रमेश तरुण

प्रायोगिक कार्य – (50 अंक)

1. हिन्दी से विकसित रोजगारमूलक दिशाएं कार्यस्थल सर्वे के आधार पर।
2. हिन्दी के सर्च इंजन एवं बेवसाइट्स की सूची।
3. दूरदर्शन एवं आकाशवाणी सम्बन्धी पारिभाषिक शब्दावली संकलन।
4. किसी औद्योगिक क्षेत्र का सर्वे। किसी उद्यमी से साक्षात्कार।
5. उद्यम स्थापित करने की प्रक्रिया।

अंक विभाजनः–

नियमित–40

1. 5×6= 30 – दीर्घ उत्तरीय
2. 2×2.5= 05 – लघु उत्तरीय
3. 5×1= 05 – वस्तुनिष्ठ

आंतरिक मूल्यांकन – अंक विभाजन

तिमाही 05 अंक, छैमाही 05 अंक